सिंधु घाटी सभ्यता की वास्तुकला एवं नगर तथा भवनों की विशेषताएं

भाग:-6

डॉ विभूति भूषण
सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग
SNSRKS College Saharsa

विशाल स्नानागार

मोहनजोदड़ो का विशाल स्नानागार

1. सैन्धव सभ्यता के एक नगर मोहनजोदड़ो से विशाल स्नानागार के रूप में वास्तुकला का बेहतरीन उदाहरण प्राप्त होता है. इस स्नानागार की लम्बाई तथा चौड़ाई 180 फीट x 108 फीट है.

2. इसके केन्द्रीय खुले प्रांगन के बीच जलाशय बना है जो 39 फीट लम्बा, 23 फीट चौड़ा और 8 फुट गहरा है. इसमें उतरने के लिए उत्तर तथा दक्षिण की ओर सीढियाँ बनी है.

3. जलाशय का फर्श पक्की ईंट का बना है. फर्श तथा दीवार की जुड़ाई जिप्सम से की गई है. इसमें पानी का रिसाव रोकने के लिए प्लास्टर के उपर चारकोल की परत चढ़ाई गई थी.

4. इस विशाल स्नानागार के दक्षिणी-पश्चिमी छोड़ पर एक नाली बनाई गई है जिसके द्वारा उपयोग के बाद इसे खाली कर दिया जाता था.

5. जलाशय के तीन ओर बरामदें और उनके पीछे कई कमरे तथा गैलरियां हैं. इन्हीं में से एक कमरे में ईंटों की दोहरी पंक्ति से बनाया गया कुआँ था. शायद इसी से स्नानागार में पानी भरा जाता था.

6. वृहतस्नानागार में विशिष्ट नागरिक विशेष अवसरों पर स्नान किया करते थे. इसके उत्तर में छोटे स्नानागार बने है.

7. मार्शल महोदय ने मोहन जोदड़ो के इस विस्तृत स्नानागार को तत्कालीन विश्व का एक आश्चर्यजनक निर्माण बताया है. निसंदेह इस प्रकार का निर्माण तत्कालीन सुविकसित अभियांत्रिकी का जीता-जगता नमूना है.